क्रमशः —

(1)

29/7/20

B.A. + B.Sc.
खण्ड I
हिंदी चेतना
कविता कानन —

डॉ० अरुणा कुमारी
एसोसिएट प्रोफेसर
हिंदी विभाग
एस०एस०एस० कॉलेज, जहानाबाद

रसखान के काव्य की विशेषता स्पष्ट कर इनके शब्दचित्र वाले स्वाभाविक रसिक और हृदयग्राह्य है —

कानन कुंडल मोर पखाउर
कण्ठ में बनमाल बिराजति है।
मुरली कर में अधरा मुसकानि
तरंग महा छवि छाजति है।

रसखान के प्रेम चित्रण में संयोग श्रृंगार की प्रधानता है, वियोग की उनके यहाँ न तो तीव्र अनुभूति है और न उसका वर्णन करने के लिए उनके पास समय ही है। इस दृष्टि से रसखान और घनानन्द दोनों एक दूसरे के पूरक जान पड़ते हैं। रसखान में वियोग की जो व्यंजना है वह आठ सवैयों में इस प्रकार है —

रसखान सुन्यौ है वियोग के ताप
मलीन महा दुति देह तिया की।
पंकज सो मुख गो मुरझाइ
लगी लपटै बिरहानल हिया की।

रसखान की भाषा उनके भावों के अनुकूल ही स्वच्छ एवं प्रवाहपूर्ण है। शुक्ल जी ने इनकी भाषा के सम्बन्ध में कहा है — "शुद्ध ब्रजभाषा का जो चलतापन और सफाई इनकी और घनानन्द की रचनाओं में है वह अन्यत्र दुर्लभ है।" इनकी भाषा

क्रमशः —

(2) क्रमशः :

२५/७/२०
B.A. + B.S.G. I Part
Hindi रचना

रसिक सुधारी प्रकृति का है जिसमें माधुर्य गुण की प्रधानता है।

रसखान के काव्य की विशेषता है कि इसमें अनुप्रास एवं यमक अलंकारों का प्रयोग चमत्कार पूर्ण हुआ है। सवैयों की स्वाभाविकता के साथ अनुप्रास के प्रभाव एवं यमक के चमत्कार ने इनके सवैये को इतना सरस पूर्ण बना दिया है कि सवैयों का दूसरा नाम ही रसखान बन गया है। छंदों के आधार में रसखान को वास्तविक सिद्धि सवैया में ही हुई है।

मुसलमान होकर भी रसखान ने साम्प्रदायिक भेद-भाव से ऊपर उठ कर पूरी तरह आबद्ध रहकर और हिन्दुओं के परमाराध्य श्री कृष्ण का भक्ति भाव इतनी तन्मयता और ईमानदारी से किया कि बहुत से हिन्दू कवि भी भक्ति के क्षेत्र में उनकी समानता नहीं कर सकते। उन्होंने प्रेम को भक्ति की चाशनी में घोलकर एक ऐसा रसायन प्रस्तुत किया है जिसे पीकर हृदय उदार आलम्बन पर प्रतिष्ठित हो जाता है। इस भावना से, इस कृष्ण के दिव्य रूप के आगे और कुछ सूझता ही नहीं है।

October '16				
31	3	10	17	24
	4	11	18	25
	5	12	19	26
	6	13	20	27
	7	14	21	28
1	8	15	22	29
2	9	16	23	30

November '16				
	7	14	21	28
1	8	15	22	29
2	9	16	23	30
3	10	17	24	
4	11	18	25	
5	12	19	26	
6	13	20	27	

M T W T F S S

Important

(B)

29/7/20

B.A. + B.Sc. Part I
Hindi रसखान।

रसखान के काव्य की विशेषता
में आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

सभी प्रश्नों के मान बराबर हैं
वस्तुनिष्ठ प्रश्न -
1X10 = 10

(1) रसखान किस काल के कवि है।
(2) रसखान के आराध्य देव कौन है।
(3) रसखान का जन्म ई० कब हुआ है।
(4) रसखान किस वंश के थे।
(5) रसखान कहाँ के रहने वाले थे।
(6) रसखान का निधन ई० कब हुआ है।
(7) प्रेम वाटिका किसकी पुस्तक है।
(8) रसखान ने किससे दीक्षा ली थी।
(9) रसखान ने किसकी भक्ति की है।
(10) रसखान के जीवन की पूंजी क्या थी।